भारत की अतिसंवेदनशीलता एटलस और आपदा रोधी अभिकल्प एवं निर्माण पद्धतियों के संबंध में विषयगत कार्यशाला की श्रृंखला

जैसा कि पहले बताया गया है, परिषद ने भारत की अतिसंवेदनशीलता एटलस के तृतीय संस्करण का डिजिटल संस्करण प्रकाशित किया है। भारत के माननीय प्रधान मंत्री ने 2 मार्च, 2019 को नई दिल्ली में वैश्विक आवास प्रौद्योगिकी चुनौती–भारत(जीएचटीसी–भारत), निर्माण प्रौद्योगिकी भारत 2019 प्रदर्शनी–एवं–सम्मेलन के आयोजन के अवसर पर भारत की अतिसंवेदनशीलता एटलस के तृतीय संस्करण का डिजिटल संस्करण का लोकार्पण किया। भारत की अतिसंवेदनशीलता एटलस के तृतीय संस्करण में पूरे देश में मौजूद खतरे के परिदृश्य का तुलनात्मक समावेश है और संवेदनशील क्षेत्रों की जिलेवार पहचान के लिए भूकंप, आंधी और बाढ़ों के संबंध में भूकंप के क्षेत्रों में राज्य/संघ राज्य क्षेत्र–वार डिजिटलीकरण जोखिम मानचित्र प्रस्तुत किए गए हैं। इस संस्करण में आंधी, तूफान और भू–स्खलन के संबंध में अतिरिक्त डिजिटलीकरण मानचित्र दिए गए हैं। इस एटलस में 2011 की जनगणना आवास के आंकड़ों के अनुसार दीवारों के प्रकार और छतों के प्रकार के आधार पर जिलेवार आवास जोखिम तालिकाएं भी प्रस्तुत की गई हैं। यह एटलस न केवल जनता के लिए, बल्कि आपदा न्यूनीकरण और प्रबंधन के कार्यों से सम्बद्ध शहरी प्रबंधकों, राज्य और राष्ट्रीय प्राधिकरणों के लिए भी एक उपयोगी प्रकाशन है।

जैसा कि आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा अपेक्षा की गई है, भारत की अतिसंवेदनशीलता एटलस के तृतीय संस्करण को विभिन्न हितधारकों को व्यापकता से सुलभ कराने के लि, http://www.bmtpc.org पर भी उपलब्ध कराया गया है और इसके साथ ही आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की वैबसाइट http://mohua.gov.in vkSj https://ghtc-india.gov.in/ पर भी इसके लिंक दिए गए हैं।

भारत की अतिसंवेदनशीलता एटलस और आपदा रोधी डिजाइन एवं निर्माण पद्धतियों के बारे में शिक्षित करने के लिए, सचिव, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार ने राज्य स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित करने के लिए राज्या/संघ राज्य क्षेत्रों के मुख्य सचिवों, आईआईटी, केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों और केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों को पत्र लिखे थे। इन कार्यशालाओं का अभिकल्पन आवास और भवन–निर्माण से संबंधित इंजीनियरों, वास्तुकारों और अन्य हितधारकों के लिए किया गया है।

भारत की अतिसंवेदनशीलता एटलस और आपदा रोधी डिजाइन एवं निर्माण पद्धतियों के संबंध में विषयगत कार्यशालाओं का आयोजन पूरे भारत में किया जा रहा है और वर्ष के दौरान इस तरह की छह कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है:

पहली विषयगत कार्यशाला 3 मई, 2019 को नई दिल्ली में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तहत शैक्षिक संस्थानों के लिए आयोजित की गई थी। इस कार्यक्रम में 56 शैक्षणिक संस्थानों जैसे आईआईटी, एनआईटी, केंद्रीय विश्वविद्यालयों, आईआईएसईआर, उत्तर–पूर्वी विश्वविद्यालयों आदि के 150 से भी अधिक प्रतिभागियों, जिसमें मुख्य रूप से वरिष्ठ प्राध्यापक/संकाय वर्ग शामिल था, ने भाग लिया। इसके अलावा, ईपीआईएल लिमिटेड के इंजीनियरों ने भी इसमें भाग लिया था। इस कार्यक्रम का उद्घाटन अपर सचिव (आवासन), आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय और सदस्य, एनडीएमए द्वारा किया गया था। इस अवसर पर संयुक्त सचिव एवं प्रबंध निदेशक (एचएफए), आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय और निदेशक, मानव संसाधन विकास मंत्रालय भी उपस्थित थे। इस अवसर पर, भारत की अतिसंवेदनशीलता एटलस पर एक ब्रोशर का विमोचन भी किया गया।

4 जून 2019 को ईआईएल परिसर गुरुग्राम में इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (ईआईएल) के इंजीनियरों, डिजाइनरों और योजनाकारों के लिए भारत की अतिसंवेदनशीलता एटलस और आपदा रोधी डिजाइन एवं निर्माण पद्धतियों पर दूसरी विषयगत कार्यशाला आयोजित की गई थी। इस कार्यशाला में 120 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

11 सितंबर, 2019 को पुडुचेरी में नगर एवं ग्राम नियोजन संगठन के सहयोग से भारत की अतिसंवेदनशीलता एटलस और आपदा रोधी डिजाइन एवं निर्माण पद्धतियों पर तीसरी विषयगत कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस कार्यशाला का उद्घाटन माननीय मुख्य मंत्री, पुडुचेरी और सचिव, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में राज्य सरकार, इंजीनियरिंग एवं प्रबंधन कॉलेजों के चार्टिड

इंजीनियरों, संकाय सदस्यों और छात्रों और ठेकेदारों और वास्तुविदों आदि 250 से भी अधिक लोगों ने भाग लिया।

18 जनवरी 2020 को रांची में मेकॉन लिमिटेड के इंजीनियरों, डिजाइनरों और योजनाकारों के लिए भारत की अतिसंवेदनशीलता एटलस और आपदा रोधी डिजाइन एवं निर्माण पद्धतियों पर चौथी विषयगत कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में 60 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

22 फरवरी, 2020 को आईआईटी कैम्पस,तिरुपति में भारत की अतिसंवेदनशीलता एटलस और आपदा रोधी डिजाइन एवं निर्माण पद्धतियों पर पाँचवीं विषयगत कार्यशाला का आयोजन आईआईटी तिरुपति के साथ मिलकर किया गया। इस कार्यक्रम में आईआईटी तिरुपति सहित विभिन्न इंजीनियरिंग और आर्किटेक्चर कॉलेजों के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

3 मार्च, 2020 को नई दिल्ली में भारत की अतिसंवेदनशीलता एटलस और आपदा रोधी डिजाइन एवं निर्माण पद्धतियों पर छठी विषयगत कार्यशाला का आयोजन विशेष रूप से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के सरकारी, अर्ध–सरकारी कार्यालयों, मंत्रालयों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के अधिकारियों, इंजीनियरों, वास्तुकारों, डिजाइनरों और अन्य हितधारकों के लिए किया गया था। इस कार्यक्रम में विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और राज्य सरकार आदि के 90 से भी अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इन कार्यशालाओं को बीएमटीपीसी; भूकंप इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की; भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान चेन्नई; सीएसआईआर–एसईआरसी, चेन्नई; जल विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की; और केंद्रीय जल आयोग के व्याख्याताओं ने संबोधित किया।